वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 86 शनिवार 5 सितम्बर 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गुलाबी नगरी में जन्माष्टमी की धूम

गोविंददेव जी मंदिर, अक्षयपात्र मंदिर, राधा दामोदर मंदिर समेत कई मंदिरों में भक्तों की भीड़

मंदिरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए गोविंददेवजी सहित शहर के प्रमुख मंदिरों में पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग रास्ते तय किए गए। श्रद्धालुओं से पुलिस और मंदिर प्रशासन के निर्देशों का पालन करने, धक्का-मुक्की से बचने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई है।

शहर में आज निकलेगी शोभायात्रा

जन्माष्टमी के अगले दिन 5 सितंबर को शाम 4 बजे गोविंददेवजी मंदिर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शोभायात्रा निकलेगी। शोभायात्रा जलेबी चौक, सिरहड्योढ़ी बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, बापू बाजार, न्यूगेट, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार और बगरू वालों के रास्ते होते हुए मंदिर श्री गोपीनाथजी पहुंचेगी।

चौड़ा रास्ता स्थित राधा दामोदर मंदिर में दोपहर 12 बजे जन्मोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शुक्रवार को जयपुर के गोविंददेव जी मंदिर, अक्षयपात्र मंदिर, राधा दामोदर मंदिर समेत कई मंदिरों में भक्तों की दिनभर भीड़ रही। गोविंददेवजी मंदिर में दर्शनों के लिए डेढ़ किमी लंबी लाइन लग गई। सूत्रों के मुताबिक देर रात 2 बजे से ही भक्तों का मंदिर आना शुरू हो गया था। सुबह 4 बजे मंगला आरती के साथ दर्शन शुरू हो गए थे। मंदिर में देर रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। इससे पहले 425 लीटर दूध, 365 किलो दही, 11 किलो घी, 85 किलो बूरा और 11 किलो शहद से ठाकुर श्रीजी का पंचामृत अभिषेक किया गया। रात 12 बजे 31 तोपों की हवाई गर्जना और विशेष आतिशबाजी के साथ जन्मोत्सव मनाया गया। वहीं चौड़ा रास्ता स्थित राधा दामोदर मंदिर में परंपरा के अनुसार दोपहर 12 बजे ही जन्मोत्सव मनाया गया। यहां जन्मोत्सव के बाद आतिशबाजी होनी थी लेकिन बारिश के कारण ऐसा नहीं हो पाया। गोपीनाथजी मंदिर, अक्षयपात्र, अक्षरधाम और इस्कॉन मंदिर में भी जन्माष्टमी को लेकर विशेष आयोजन और तैयारियां चल रही हैं। मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए।

महिलाओं ने बधाई गायन किया

राधा दामोदर मंदिर में ठाकुर जी की पूजा-अर्चना की गई। जन्मोत्सव को लेकर बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। इस दौरान महिला भक्तों ने बधाई गीत गाए। पूरा मंदिर हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल के उद्घोष से गूंज उठा।

बड़ी चौपड़ पर बैरिकेडिंग लगाए

बड़ी चौपड़ पर पुलिस की ओर से बैरिकेडिंग की गई है, जिससे किसी भी प्रकार का कोई वाहन आगे न जा सके। यहां से गोविंदेवजी मंदिर तक जाने के लिए पैदल ही व्यवस्था की गई है।

मिलकर बनाएंगे एक बेहतर, स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध वार्ड 31
सेवा, समर्पण, विकास
हमारा संकल्प
जन-जन का साथ, वार्ड 31 का विकास
वार्ड नं. 31 से पार्षद प्रत्याशी
जय कुमार जैन
को अपना अमूल्य वोट एवं समर्थन दें
हमारी प्राथमिकताएं
स्वच्छ और सुंदर वार्ड
नियमित सफाई, कचरा प्रबंधन और ग्रीन वार्ड की दिशा में ठोस कदम।
पार्क, खेल मैदान और ओपन जिम
बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के लिए खेल और व्यायाम को बेहतर सुविधाएं।
बेहतर सड़कें और गलियां
सड़क एवं नाली निर्माण, मरम्मत और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान।
शिक्षा और करियर मार्गदर्शन
छात्रों के लिए लाइब्रेरी, डिजिटल शिक्षा और करियर गाइडेंस कार्यक्रम।
शुद्ध पेयजल की व्यवस्था
हर घर तक साफ और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे।
वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान
वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य शिविर, पेंशन सहायता और समय-समय पर कार्यक्रम।
स्ट्रीट लाइट और सुरक्षा
पूरे वार्ड में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था और महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता।
जन सुनवाई और पारदर्शिता
आपकी समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता, हर माह नियमित जन सुनवाई और पारदर्शी कार्यप्रणाली।
हम आगे क्या करेंगे ?
हर गली, हर मोहल्ले का समग्र विकास।
युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाएंगे।
महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष कार्यक्रम और सहायता।
स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए प्रयास।
सभी त्योहारों, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देंगे।
आपका विश्वास, हमारा संकल्प
मिलकर बनाएं वार्ड 31 को आदर्श वार्ड।
कांग्रेस है तो संभव है
आइए! मिलकर शपथ लें
वार्ड 31 को प्रगति, समृद्धि और खुशहाली की नई पहचान दें।
चुनाव चिन्ह
हाथ के निशान पर मोहर लगाएं
भारी मतों से विजयी बनाएं
निवेदक : अंशुल सरावगी
होटल रॉयल ललित, राठौड़ नगर, आम्रपाली मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर-302021
आपका साथी आपका सेवक

जयपुर नगर निगम वार्ड नंबर 31 के कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी श्री जय कुमार जैन के साथ वैशाली नगर की K-5 स्कीम में आमजन से जनसंपर्क किया और कांग्रेस को विजयी बनाने का आह्वान किया।

राजकीय सामान्य चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को रक्षा सूत्र बांधकर दीर्घायु की कामना

नसीराबाद (रोहित जैन)

विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी की ओर से रक्षाबंधन के अवसर पर राजकीय सामान्य चिकित्सालय, नसीराबाद में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समाजसेवा एवं मानवसेवा में समर्पित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्यकर्मियों के सेवा भाव की सराहना करते हुए उन्हें रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्रखंड संयोजिका ममता डाबी, जिला संस्कार प्रमुख सुमन पारीक सहित मातृशक्ति की प्रतिनिधि सुनीता, स्वाति, मंजू, संतोष, रेखा एवं इंदिरा मौजूद रहीं।

मोरपंख, मुरली और भक्ति के रंग में रंगा आदिनाथ पब्लिक स्कूल

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर स्थित आदिनाथ पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व भक्ति, उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्री-प्राइमरी कक्षाओं के नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे। उनकी आकर्षक छवि और नटखट अदाओं ने सभी का मन मोह लिया। कक्षा 1 से 3 तक के विद्यार्थियों ने मोरपंख एवं बांसुरी के सुंदर चित्र बनाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं, कक्षा 4 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित ओपन क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. पवना शर्मा ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें प्रेम, कर्तव्य, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए मनोरंजन, रचनात्मकता एवं ज्ञान का सुंदर संगम साबित हुआ। कार्यक्रम ने पूरे विद्यालय परिसर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया।

जैन रत्न प्रदीप कासलीवाल की छठी पुण्यतिथि पर होगा "समाजसेवी गुरु एवं छात्र सम्मान समारोह"

शिक्षक दिवस पर देशभर में आयोजन, इंदौर के दलाल बाग में मुनि श्री सुधा सागर जी के सान्निध्य में होगा मुख्य समारोह

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष, जैन रत्न एवं समाज गौरव स्मृतिशेष श्रद्धेय श्री प्रदीपकुमार सिंह कासलीवाल की छठवीं पुण्यतिथि एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर इस वर्ष विशेष आयोजन किया जाएगा। फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि फेडरेशन के तत्वावधान में देशभर के सभी सोशल ग्रुपों द्वारा 5 सितंबर 2026, शनिवार को "समाजसेवी गुरु एवं छात्र सम्मान" कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। फेडरेशन मुख्यालय इंदौर में मुख्य समारोह दोपहर 3 बजे छत्रपति नगर स्थित दलाल बाग में तीर्थ चक्रवर्ती परम पूज्य मुनि श्री 108 सुधा सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में आयोजित होगा। दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर प्रत्येक सोशल ग्रुप द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले एक शिक्षक और एक विद्यार्थी का चयन कर सम्मान किया जाएगा। शिक्षक का चयन ऐसे व्यक्ति के रूप में किया जाएगा, जो शिक्षण कार्य के साथ-साथ समाजसेवा के प्रति भी निष्ठा और समर्पण रखते हों। वहीं, उसी विद्यालय के विद्यार्थियों में से समाजसेवा के प्रति रुचि रखने वाले एवं सक्रिय एक विद्यार्थी का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सम्मान के लिए चयनित शिक्षक एवं विद्यार्थी जैन अथवा अ-जैन, कोई भी हो सकते हैं। दोनों प्रतिभाओं को शॉल, श्रीफल, मेडल एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। फेडरेशन के राकेश विनायका ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से सभी सोशल ग्रुप फेडरेशन के "भीष्म पितामह" स्व. प्रदीपकुमार सिंह कासलीवाल के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करेंगे। साथ ही, उनके उच्च आदर्शों एवं समाजसेवा तथा मानवसेवा की भावना को समाज में चिरस्थायी बनाने का संकल्प लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्व. कासलीवाल समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत, मार्गदर्शक तथा मानवसेवा एवं समाजसेवा के लिए प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तित्व रहे। आयोजकों ने सभी से समारोह में सहभागिता की अपील की है।

> **दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर प्रत्येक सोशल ग्रुप द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले एक शिक्षक और एक विद्यार्थी का चयन कर सम्मान किया जाएगा।**

आमंत्रक

श्रीमती पुष्पा-प्रदीप जी कासलीवाल (शिरोमणि संरक्षक),
मनोहर-मोहिनी जी झांझरी (राष्ट्रीय अध्यक्ष),
राकेश-कल्पना विनायका (निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष),
विनय-अनीता जैन (राष्ट्रीय महासचिव),
अश्विन-रुचि कासलीवाल (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष)
एवं सकल दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन परिवार।

राजनीति

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

ललित गर्ग

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षा परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि वहां से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश को केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना या रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' इसी चेतना को व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, आचरण को परिष्कृत करे, आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व पैदा करे। आज जब शिक्षा का लक्ष्य कई बार नौकरी, पद और आय तक सीमित होता दिखाई देता है, तब शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज उसका लक्ष्य अनेक बार केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, पर सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। जब ज्ञान का मूल्य बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणामों तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा का मानवीय पक्ष कमजोर होना स्वाभाविक है। गुरु-शिष्य संबंधों में बढ़ती दूरी, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं भी संकेत देती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, जीवन-दृष्टि हो सकता है। वर्तमान समय में इंटरनेट, सामाजिक माध्यम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने विद्यार्थियों के सामने ज्ञान के असंख्य स्रोत खोल दिए हैं। ऐसे में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं, बल्कि और बढ़ी है।

संपादकीय

राम मंदिर को मिले पहले सीईओ से उम्मीदें

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने हाल ही में सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को अपना पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति महज प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि राम मंदिर के प्रबंधन को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। 5,585 आवेदनों की छंटनी और चयन समिति की सिफारिश के बाद मिश्रा का चयन हुआ। भारतीय वायुसेना में करीब चार दशक की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पश्चिमी वायु कमान की जिम्मेदारी संभाली थी। सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल सहित कई सम्मानों से सम्मानित मिश्रा अब राम मंदिर के रोजमर्रा के संचालन, व्यवस्था और प्रशासनिक समन्वय की जिम्मेदारी संभालेंगे।

राम मंदिर अब केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का प्रतीक बन चुका है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचते हैं। बढ़ती भीड़ के साथ सुरक्षा, व्यवस्था, स्वच्छता, वित्तीय प्रबंधन और श्रद्धालु सुविधाओं से जुड़ी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। मंदिर से जुड़े दान के कथित गबन के मामले और उसके बाद हुए विवादों ने प्रशासनिक पारदर्शिता की आवश्यकता को और रेखांकित किया है। ऐसे समय में सीईओ पद का सृजन और एक अनुभवी सैन्य अधिकारी की नियुक्ति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सबसे बड़ी अपेक्षा पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन को लेकर है। मंदिर में आने वाले दान का व्यवस्थित लेखा-जोखा, खर्चों की निगरानी, नियमित ऑडिट और बैंकिंग प्रक्रियाओं को मजबूत करना जरूरी है। कैश काउंटिंग और अन्य वित्तीय प्रक्रियाओं में आधुनिक तकनीक का अधिक इस्तेमाल मानवीय हस्तक्षेप और अनियमितताओं की संभावना को कम कर सकता है। ट्रस्ट की वित्तीय गतिविधियों में उचित स्तर की सार्वजनिक जवाबदेही भक्तों के विश्वास को और मजबूत करेगी। दूसरी बड़ी चुनौती श्रद्धालु सुविधाओं और भीड़ प्रबंधन की है। कतार व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा सेवाएं, विश्राम स्थल तथा बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। त्योहारों और विशेष अवसरों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन प्रबंधन भी बेहद महत्वपूर्ण है। वायुसेना में लंबे प्रशासनिक और संचालन अनुभव के कारण मिश्रा की विशेषज्ञता इस क्षेत्र में उपयोगी साबित हो सकती है। मंदिर परिसर के समग्र और टिकाऊ विकास पर भी ध्यान देना होगा। निर्माण के साथ अब संचालन और रखरखाव का चरण महत्वपूर्ण हो गया है। पर्यावरण संरक्षण, हरियाली, पार्किंग, यातायात प्रबंधन और आसपास के क्षेत्रों के संतुलित विकास की दीर्घकालिक योजना आवश्यक है। धार्मिक परंपराओं और मंदिर की पवित्रता का सम्मान करते हुए आधुनिक प्रबंधन व्यवस्था विकसित करना सीईओ के सामने सबसे महत्वपूर्ण संतुलन होगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सड़कें और फ्लाईओवर जनता की सुरक्षा की रीढ़

रजनीश कपूर

पिछले कुछ वर्षों में देशभर में सड़कों के धंसने, फ्लाईओवर के क्षतिग्रस्त होने और नई बनी सड़कों के जल्द खराब होने की घटनाएं चिंता बढ़ा रही हैं। बारिश हो या सामान्य मौसम, कई जगह सड़कें गड्ढों में बदल जाती हैं, सर्विस रोड धंस जाती हैं और बड़ी निर्माण परियोजनाएं भी सवालों के घेरे में आ जाती हैं। ये घटनाएं केवल सरकारी व्यवस्था की कमियां नहीं दिखातीं, बल्कि सीधे आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ी हैं। अगस्त 2026 में गुरुग्राम में भारी बारिश के बाद इफको चौक के पास दिल्ली-जयपुर हाईवे की सर्विस रोड का बड़ा हिस्सा धंस गया। बताया गया कि सीवर लाइन में लीकेज के कारण मिट्टी बहने से सड़क के नीचे खोखलापन पैदा हुआ। कानपुर में भी जाजमऊ के सरैया चौराहे पर सड़क में अचानक गहरा गड्ढा बन गया। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में निमार्णाधीन फ्लाईओवर का हिस्सा गिरने से मजदूर की मौत हुई, जबकि गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्गों पर दरारों और गड्ढों की शिकायतें सामने आईं। नए एक्सप्रेसवे और हाईवे की सतह को लेकर भी समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इन घटनाओं को महज संयोग मानना उचित नहीं होगा। निर्माण की गुणवत्ता, डिजाइन, जल निकासी और निगरानी– इन सभी स्तरों पर कमियां दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। सीवर, पानी की पाइपलाइन और ड्रेनेज सिस्टम को सड़क निर्माण के साथ उचित समन्वय के बिना बिछाना, बैकफिलिंग में लापरवाही तथा घटिया सामग्री का इस्तेमाल सड़क की मजबूती को प्रभावित करता है। समस्या तब और गंभीर हो जाती है, जब गुणवत्ता जांच केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह जाए। ठेकों में सबसे कम बोली यानी 'एल-1' प्रणाली भी बहस का विषय रही है। कम लागत में काम पूरा करने के दबाव में यदि ठेकेदार सामग्री या निर्माण प्रक्रिया में समझौता करता है और निगरानी तंत्र उसे रोक नहीं पाता, तो उसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है। सब-कॉन्ट्रैक्ट की कई परतें और कमजोर डीपीआर भी जिम्मेदारी तय करना कठिन बना देती हैं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि किसी परियोजना की सफलता केवल बनाए गए किलोमीटर से नहीं, बल्कि उसकी टिकाऊ गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल जवाबदेही का है। किसी सड़क या फ्लाईओवर में गंभीर खामी सामने आने पर अक्सर ठेकेदार पर कार्रवाई की चर्चा होती है, लेकिन संबंधित इंजीनियरों, पर्यवेक्षण अधिकारियों और सलाहकारों की जिम्मेदारी उतनी स्पष्ट नहीं होती। जांच समितियां बनना और रिपोर्ट तैयार होना पर्याप्त नहीं है। दोष सिद्ध होने पर जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ प्रभावी विभागीय तथा कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। समाधान भी स्पष्ट हैं। स्वतंत्र गुणवत्ता ऑडिट अनिवार्य किया जाए और निर्माण सामग्री की जांच प्रमाणित प्रयोगशालाओं में हो। निरीक्षण रिपोर्ट और ठेकों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सार्वजनिक की जाए। पर्यवेक्षण अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय हो। डीपीआर की गुणवत्ता, सब-कॉन्ट्रैक्टिंग और निर्माण मानकों पर सख्ती हो। साथ ही सड़क के पूरे जीवनचक्र के लिए रखरखाव बजट सुनिश्चित किया जाए तथा ड्रेनेज और सीवर व्यवस्था को सड़क परियोजनाओं के साथ समन्वित किया जाए। भारत बुनियादी ढांचे में भारी निवेश कर रहा है। यह निवेश तभी सार्थक होगा, जब निर्माण की गति के साथ गुणवत्ता और सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। सड़कें और फ्लाईओवर केवल विकास की पहचान नहीं, बल्कि लाखों लोगों की रोजमर्रा की सुरक्षा और देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

पुनीत तो
अपना भाई है
भाजपा प्रत्याशी | वार्ड नं. 76
मतदान
अवश्य करें
निवेदक :
श्रीमती मृदुला जैन
पूर्व मंत्री
जयपुर जिला भाजपा

सुख का जाप करने पर संसार के सारे दु:ख समाप्त हो जाएंगे : आचार्य पुलकसागर महाराज

किसी भी परिस्थिति में दु:खी नहीं होने का संकल्प कर लिया तो भगवान बनने के रास्ते पर चल पड़ेंगे

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। इस संसार में सभी दु:खी हैं, क्योंकि हमारी सोच ही दु:ख का कारण बन गई है। अनंत सुख की साधना करें। जो सुख की साधना करता है, उसके सुख में निरंतर वृद्धि होती जाती है और वह अनलिमिटेड सुख में परिवर्तित हो जाता है। प्रतिदिन यह भाव रखें कि ''मैं बहुत सुखी हूं, सुख मेरा स्वभाव है।'' सुख की इस माला का जाप करने से संसार के सारे दु:ख समाप्त हो जाएंगे। इसके विपरीत यदि हम स्वयं को दु:खी मानेंगे तो हमारे सुख पर भी दु:ख हावी हो जाएगा। ये विचार श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट, मेन सेक्टर, शास्त्रीनगर के तत्वावधान में सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से भीलवाड़ा में पहली बार चातुर्मास कर रहे राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य पुलकसागरजी महाराज ने शुक्रवार को शास्त्रीनगर स्थित सूर्यमहल में आयोजित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इंसान के पास सुखी या दु:खी होने की शक्ति है। भगवान की दिव्य प्रतिमाओं के चेहरे को देखें, वे हमेशा प्रसन्न दिखाई देते हैं। उन्हें देखकर हमें भी प्रसन्नता का अनुभव होगा। दु:ख दुर्गुण है और सुख गुण है। भगवान का सुख अनंत है, जबकि मेरा दु:ख मेरे दुर्गुणों का परिणाम है। दु:ख का त्याग कर जीवन में आनंद की अनुभूति करनी चाहिए। यदि यह संकल्प कर लें कि ''मुझे किसी भी परिस्थिति में दु:खी नहीं होना है'', तो हम भगवान बनने के रास्ते पर चल पड़ेंगे। आचार्यश्री ने कहा कि सुखी होने के लिए इसका अभ्यास करना होगा। हर परिस्थिति में सुखी रहना सीखना चाहिए। दुनिया का सबसे बड़ा धर्म ''अहिंसा परमो धर्म:'' है। हिंसा कभी धर्म नहीं हो सकती। दु:ख हिंसा का और सुख अहिंसा का फल है। हिंसा मानसिक, वैचारिक एवं दैहिक होती है। अहिंसा का पालन करने के लिए इंद्रिय संयम एवं प्राणी संयम अपनाना होगा। संयम के लिए तप करना पड़ेगा। बिना तप के इंद्रियों को नियंत्रित करना संभव नहीं होगा और जीवों के प्रति हिंसा भी नहीं रुकेगी। उन्होंने कहा कि तप के लिए साधुओं एवं तपस्वियों की संगति तथा सत्संग करना आवश्यक है।

दु:ख और दर्द में अंतर

आचार्य पुलकसागर महाराज ने कहा कि दु:ख और दर्द में अंतर होता है। जो सोच से उत्पन्न होता है, वह दु:ख है और जो चोट से होता है, वह दर्द है। दु:ख मानसिक होता है, जबकि चोट दैहिक होती है। चोट लगने पर शरीर को दर्द होता है, जबकि दु:ख में मन को पीड़ा होती है। दर्द का उपचार है, लेकिन दु:ख का कोई निश्चित उपचार नहीं होता। उन्होंने कहा कि बिना अभ्यास के अनंत सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती। मनुष्य जन्म मिला है तो जानवर नहीं, जिनवर बनने का अभ्यास करें। प्रार्थना करें कि भगवान का अनंत सुख हमारे भीतर आ जाए। सुख या दु:ख में से जिसकी साधना करेंगे, वही प्राप्त होगा। आचार्यश्री ने कहा कि जो व्यक्ति सदैव दु:खी रहता है, वह जीवन में दूसरों को दुआ नहीं दे सकता। हम अपने कार्यों और विचारों से अपने दु:ख को बढ़ाने में लगे हुए हैं। याद रखें कि संसार में कई लोग हमसे भी अधिक दु:खी हैं। अपने से अधिक दु:खी व्यक्ति को देखने पर हमारा दु:ख छोटा और सुख बड़ा होता जाएगा। सुख को बड़ा करने की आदत बन गई तो एक दिन अनंत सुख की प्राप्ति हो जाएगी। उन्होंने कहा कि बार-बार क्षमा मांगने की आदत डालें, एक दिन यही क्षमा जीवन का गुण बन जाएगी और व्यक्ति क्षमाशील बन जाएगा।

तलवाड़ा खुर्द में गंगा दिवस, जन्माष्टमी और महाराज गुरदयाल सिंह जी के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर

शिविर में 51 यूनिट रक्त एकत्रित, महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

ऐलनाबाद. (रमेश भार्गव)। खंड के गांव तलवाड़ा खुर्द स्थित महाराजा जंग सिंह गुरुद्वारा में गंगा दिवस, स्वर्गीय महाराज गुरदयाल सिंह जी के जन्मदिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 51 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। शिविर का आयोजन गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं भारत विकास परिषद, तलवाड़ा खुर्द शाखा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। शिविर का उद्घाटन गुरुद्वारा धर्मकोट के गद्दीनशीन बाबा कौर सिंह जी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण छाबड़ा एवं गांव के नंबरदार बलदेव कृष्ण तलवाड़ा ने की।

महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

रक्तदान शिविर में महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और रक्तदान कर सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की। अपने प्रवचन में बाबा कौर सिंह जी ने कहा कि रक्तदान महादान है। किसी जरूरतमंद को जीवनदान देना मानव जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य है। रक्तदान करने वाला व्यक्ति पुण्य का भागी बनता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को जीवन में रक्तदान तथा मरणोपरांत नेत्रदान के लिए आगे आना चाहिए। नेत्रदान के माध्यम से भी किसी व्यक्ति को नई रोशनी और नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने सभी से इस पुनीत कार्य में भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी हरबंस लाल सरदाना, दर्शन छाबड़ा, नानक चंद सरदाना, सुनील गोयल, महेंद्र सुकीजा, हिमांशु मेहता, गुरदेव सिंह बराड़, दर्शन सिंह बराड़, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष नक्षत्र सिंह बराड़, रणधीर सिंह बराड़ सहित 140 बार रक्तदान कर गिनीज बुक में रिकॉर्ड बना चुके अमर सिंह धानक विशेष रूप से मौजूद रहे।

गणाचार्य विराग सागर राष्ट्रीय पुरस्कार-2026 की घोषणा

जयपुर निवासी समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा "विमल कीर्ति राष्ट्रीय पत्रकारिता पुरस्कार" के लिए चयनित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर निवासी प्रसिद्ध समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा को जैन धर्म, जैन संस्कृति एवं जिनवाणी के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए गणाचार्य विराग सागर राष्ट्रीय पुरस्कार-2026 के अंतर्गत ''विमल कीर्ति राष्ट्रीय पत्रकारिता पुरस्कार'' के लिए चयनित किया गया है। यह पुरस्कार श्री जैन को रविवार, 6 सितंबर को वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में कविनगर, गाजियाबाद में प्रातः 8 बजे से आयोजित विशाल समारोह में प्रदान किया जाएगा। गणाचार्य विराग सागर पुरस्कार-2026 के संयोजक डॉ. आशीष कुमार जैन बम्हौरी ने बताया कि गणाचार्य विराग सागर महाराज के आशीर्वाद एवं वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज की प्रेरणा से स्थापित अखिल भारतीय विनिश्चय ग्रुप द्वारा जिनवाणी के प्रचार-प्रसार में अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले तथा श्रमण परंपरा के उन्नयन में योगदान देने वाले विद्वानों, पत्रकारों, जैन विद्या के अनुसंधानकताओं, समाजसेवियों, व्रती सेवकों एवं राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों के सम्मान के लिए वर्ष 2025 में इन पुरस्कारों की स्थापना की गई थी। उन्होंने बताया कि पुरस्कार के अंतर्गत प्रत्येक चयनित व्यक्तित्व को नकद राशि, शॉल-श्रीफल, प्रतीक चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है। प्रथम वर्ष के पुरस्कारों का समारोह रामगंज मंडी में आयोजित किया गया था। राजस्थान जैन सभा, जयपुर के महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि ये पुरस्कार आचार्य विराग सागर महामुनिराज के समाधि दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष प्रदान किए जाते हैं।

मनीष बैद: महामंत्री
राजस्थान जैन सभा, जयपुर

फुकुओका में भारतीय कला का गौरव, प्रो. राजेश कुमार यादव को मिला "स्पेशल जूरी अवॉर्ड"

9वीं अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में सम्मान, भारत-जापान के सांस्कृतिक रिश्तों को कला के रंगों से और गहरा करने की पहल

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जापान के फुकुओका में भारतीय कला ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी सृजनात्मक पहचान दर्ज कराई। यहां आयोजित 9वीं इंटरनेशनल आर्ट एग्जिबिशन एवं अवॉर्ड सेरेमनी में प्रख्यात कलाकार, कला शिक्षाविद एवं द आर्ट पिवट, इंडिया के संस्थापक प्रो. राजेश कुमार यादव को कला और सांस्कृतिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ''स्पेशल जूरी अवॉर्ड'' से सम्मानित किया गया। विभिन्न देशों के कलाकारों, कला आयोजकों और सांस्कृतिक प्रतिनिधियों की मौजूदगी में आयोजित इस समारोह ने कला को केवल कैनवास तक सीमित न रखकर देशों के बीच संवाद और आत्मीयता का माध्यम बनाया। आयोजन में चाइना-जापान एक्सचेंज सेंटर के प्रतिनिधियों के साथ भारत के राजनयिक प्रतिनिधियों की सहभागिता भी रही। अंतरराष्ट्रीय कला जगत के बीच प्रो. यादव को मिला यह सम्मान भारतीय कला परंपरा और समकालीन सृजनशीलता की वैश्विक स्वीकार्यता के रूप में देखा जा रहा है। सम्मान ग्रहण करने के बाद प्रो. यादव ने आयोजकों, कलाकारों, अंतरराष्ट्रीय कला समुदाय और सहयोगियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि कला की भाषा सीमाओं और भाषाओं से परे होती है। वह मनुष्य को मनुष्य से और संस्कृति को संस्कृति से जोड़ने वाला ऐसा सेतु है, जिसके सहारे विश्व मैत्री की नई संभावनाएं निर्मित की जा सकती हैं। समारोह के दौरान भारत-जापान कला संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण पहल भी सामने आई। द आर्ट पिवट, उदयपुर की ओर से श्री किमोरी को ''आर्ट एम्बेसडर'' नियुक्त किया गया। इस नियुक्ति का उद्देश्य दोनों देशों के बीच कलाकारों के आदान-प्रदान, संयुक्त प्रदर्शनियों, कला शिविरों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की संभावनाओं को विस्तार देना है।

> आयोजन में चाइना-जापान एक्सचेंज सेंटर के प्रतिनिधियों के साथ भारत के राजनयिक प्रतिनिधियों की सहभागिता भी रही। अंतरराष्ट्रीय कला जगत के बीच प्रो. यादव को मिला यह सम्मान भारतीय कला परंपरा और समकालीन सृजनशीलता की वैश्विक स्वीकार्यता के रूप में देखा जा रहा है।

प्रो. यादव ने कहा कि भारत, जापान, चीन सहित विभिन्न देशों के कलाकार यदि निरंतर संवाद और साझा सृजन की प्रक्रिया से जुड़ें तो ''कला के माध्यम से वैश्विक मित्रता'' का विचार और व्यापक रूप ले सकता है। उन्होंने बताया कि द आर्ट पिवट, उदयपुर लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय कला आदान-प्रदान, प्रदर्शनियों, कला शिविरों और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से देश-विदेश के कलाकारों को साझा मंच उपलब्ध करा रहा है। उनके अनुसार कला दिलों को जोड़ती है, संस्कृति राष्ट्रों को करीब लाती है और मित्रता आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की नींव रखती है।

रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप'

सामर्थ्य मिला तो धर्म का सहारा बने, अन्याय आया तो किया प्रतिकार—यही श्रीकृष्ण का आदर्श : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

मथुरा-वृंदावन की छटा से सजा शांतिभवन, 150 से अधिक बच्चों ने जीवंत किए श्रीकृष्ण के विविध स्वरूप

शांतिभवन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विशेष प्रवचन धर्मसभा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

आदर्शों की महिमा गाना आसान है, लेकिन उनके अनुसार जीवन जीने के लिए मन और तन दोनों का बल चाहिए। वासुदेव श्रीकृष्ण का जीवन ऐसा ही आदर्श प्रस्तुत करता है। द्वारकाधीश बने, लेकिन गोकुल की सादगी नहीं भूले। सामर्थ्य मिला तो धर्म के मार्ग पर बढ़ने वालों का सहयोग किया, अन्याय सामने आया तो उसका प्रतिकार किया और महाभारत जैसा युद्ध सामने होने पर भी पहले समझौते की राह तलाश की। यह विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने शुक्रवार को शांतिभवन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित विशेष प्रवचन धर्मसभा में व्यक्त किए। युवाचार्यश्री ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आज केवल भारत में ही नहीं, बल्कि जहां-जहां भारतीय संस्कृति का प्रभाव है, वहां उत्सव के रूप में मनाई जा रही है। वर्तमान समय में अपने आदर्शों के उत्सव मनाना इसलिए भी जरूरी है, ताकि आने वाली पीढ़ी को पता रहे कि हमारे भगवान, महापुरुष और संस्कृति के आदर्श कौन हैं। बच्चे दूसरे पर्वों को जानें, इसमें कोई आपत्ति नहीं, लेकिन अपने तीर्थंकरों, गुरुओं और महापुरुषों से भी उनका परिचय होना चाहिए। उत्सव में आडंबर नहीं हो, लेकिन अपने आदर्शों की प्रभावना जरूर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का सम्मान वैदिक परंपरा के साथ जैन परंपरा में भी मिलता है। जैन आगमों में भगवान अरिष्टनेमि के प्रति उनके समर्पण का वर्णन मिलता है। स्वयं संयम नहीं ले सके, लेकिन जो लोग भगवान के चरणों में प्रव्रजित होना चाहते थे, उनकी पूरी व्यवस्था संभालने का भाव रखा। अपने धन, सत्ता और सामर्थ्य को उन्होंने धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ने वालों के लिए लगाया। युवाचार्यश्री ने कहा कि आज हम गुरुओं के सामने हाथ जोड़ते हैं, जयकारे लगाते हैं और आशीर्वाद मांगते हैं, लेकिन अपने घर से कोई संयम के मार्ग पर बढ़ना चाहे तो कई बार मोह रास्ता रोक देता है। समझाना जरूरी है, लेकिन धर्म और साधना के मार्ग में अंतराय नहीं बनना चाहिए। श्रीकृष्ण स्वयं दीक्षा नहीं ले सके, लेकिन दीक्षा लेने वालों का सहयोग कर धर्म के सहायक बने। उन्होंने कहा कि जैन आगमिक दृष्टि से पूर्व में किए गए नियाने के कारण श्रीकृष्ण आगे संयम नहीं ले सके। भगवान अरिष्टनेमि का सान्निध्य था, हजारों लोग संयम के मार्ग पर बढ़ रहे थे और अवसर भी श्रेष्ठ था, लेकिन नियाना बाधा बना। इसलिए साधना के बदले कुछ मांगना नहीं चाहिए। साधना करते रहें, जो पुण्य से मिलना है, वह मिलता रहेगा। प्रतिकूल कर्म आएगा तो साधना उसे सहने की शक्ति देगी।

सादगी ही सबसे बड़ी समृद्धि

युवाचार्यश्री ने श्रीकृष्ण की सादगी को उनके व्यक्तित्व की बड़ी विशेषता बताते हुए कहा कि द्वारकाधीश बनने के बाद राजवैभव मिला, सोने-चांदी के मुकुट और छप्पन भोग सामने आए, फिर भी गोकुल का मोरपंख, बांसुरी, गाय और माखन-मिश्री नहीं भूले। सादगी ही सबसे बड़ी समृद्धि है और श्रीकृष्ण की सादगी ही उनका सबसे सुंदर सौंदर्य है। वैभव कितना भी बढ़ जाए, अपनी सरलता और जड़ों को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में श्रीकृष्ण राजकुमार का स्टेटस लेकर नहीं गए, बल्कि विद्यार्थी बनकर रहे। यही कारण था कि द्वारकाधीश बनने के बाद सुदामा सामने आए तो पद और प्रतिष्ठा मित्रता के बीच नहीं आई। आज मनुष्य स्टेटस में उलझकर कई बार प्रेम और आत्मीयता भूल जाता है। श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि पद बढ़े, लेकिन संबंध छोटे नहीं होने चाहिए।

बच्चों को समय देंगे तो संस्कार बनेंगे

श्रीकृष्ण के बाल जीवन का उल्लेख करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि उनका बचपन नटखट था, लेकिन उसमें आनंद और अर्थ दोनों थे। माता यशोदा उनके पीछे दौड़ती थीं और उस परेशानी में भी आनंद था। आज माता-पिता बच्चों के मोबाइल से परेशान हैं, लेकिन बच्चे के साथ समय बिताने के लिए स्वयं भी मोबाइल छोड़ना होगा। बच्चा जो देखता और सुनता है, वही उसके भीतर संस्कार बनकर बैठता है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण द्वारा माखन की हांडी फोड़ने के प्रसंग को केवल शरारत के रूप में नहीं देखना चाहिए। गोकुल का माखन उन लोगों तक पहुंचता था, जो अत्याचार की व्यवस्था को मजबूत कर रहे थे। श्रीकृष्ण ने इसका विरोध किया। पैसा कमाते समय केवल लाभ नहीं, बल्कि यह भी देखना चाहिए कि हमारी कमाई से किसकी ताकत बढ़ रही है। अनीति से आया धन जीवन को समृद्ध नहीं कर सकता।

गलत के खिलाफ खड़े होने का संदेश

युवाचार्यश्री ने कहा कि श्रीकृष्ण ने बचपन से ही गलत को स्वीकार नहीं किया। यही बात आगे अर्जुन के प्रसंग में भी दिखाई देती है। अर्जुन अपने रिश्तेदारों और गुरुजनों को सामने देखकर मोह में पड़ गया तो श्रीकृष्ण ने उसे कर्तव्य से पीछे हटने नहीं दिया। केवल 'अपने हैं' कहकर अधर्म का साथ देना उचित नहीं है। जहां गलत है, वहां अपने-पराए के मोह से ऊपर उठकर सही के पक्ष में खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण को केवल महाभारत के युद्ध से जोड़ना भी उचित नहीं है। वे पहले समझौते के लिए गए थे। पांडवों के लिए पांच गांव मांगे, ताकि युद्ध टल सके और दोनों पक्ष मिल-जुलकर रहें। दुर्योधन का अहंकार जब समझौते के लिए तैयार नहीं हुआ, तभी युद्ध की स्थिति बनी। श्रीकृष्ण के पास युद्ध का सामर्थ्य था, लेकिन उनकी पहली पहल युद्ध नहीं, बल्कि समझौता थी।

150 से अधिक बच्चों ने प्रस्तुत किए श्रीकृष्ण के विविध स्वरूप

शांतिभवन के संरक्षक नवरतनमल बंब एवं अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चीपड़ ने बताया कि धर्मसभा में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न प्रांतों एवं राजस्थान के अनेक क्षेत्रों से पहुंचे श्रीसंघों के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने प्रवचन का लाभ लिया तथा युवाचार्यश्री से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर दोपहर में शांति जैन महिला मंडल की ओर से आयोजित फैंसी ड्रेस कार्यक्रम में 150 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। श्रीकृष्ण, राधा, सुदामा, माता यशोदा एवं देवकी सहित विभिन्न स्वरूपों में सजे बच्चों की प्रस्तुतियों से शांतिभवन में मथुरा-वृंदावन की झलक दिखाई दी। विजेता प्रतिभागियों के साथ सभी बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मंडल अध्यक्षा सिम्मी पोखरणा के साथ सरिता पोखरणा, स्नेहलता चौधरी, चेतना चपलोत, प्रमिला कोटिचा, प्रेरणा लोढ़ा, प्रीति गुगलिया, हेमलता खेराड़ा, मीनाक्षी डागा, पदमा दरड़ा, नीतू चौरड़िया सहित पदाधिकारियों एवं सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रवक्ता : सुनील चपलोत
शांतिभवन, भोपालगंज, भीलवाड़ा

वैशाली नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भव्य झांकी का आयोजन

आकर्षक झांकियों में साकार हुए भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरूप

पुनीत कर्णावत ने वार्ड 76 के महावीर नगर, मुक्तानंद नगर व एकता ब्लॉक में किया जनसंपर्क

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जनता पार्टी के वार्ड 76 से पार्षद पद के प्रत्याशी पुनीत कर्णावत ने आज मुक्तानंद कॉलोनी, एकता ब्लॉक एवं महावीर नगर क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर आमजन से जनसंपर्क किया। शहर भाजपा की पूर्व मंत्री मृदुला सुरेंद्र पांड्या ने बताया कि इस दौरान बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नागरिकों ने पुनीत कर्णावत का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हें पूर्ण समर्थन देने का भरोसा दिलाया।

निवाई में गाजे-बाजे के साथ पांच दीक्षार्थियों की पंचमेवा से गोद भराई

दीक्षार्थियों की आध्यात्मिक जीवन की मंगल यात्रा ही मोक्ष मार्ग प्रशस्त करती है : आचार्य सुंदर सागर महाराज

निवाई. शाबाश इंडिया

चातुर्मास के तहत श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य सुंदर सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में पांच दीक्षार्थियों की गोद भराई का मंगल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिलाओं एवं पुरुषों ने मंगल गीतों के साथ दीक्षार्थियों की पंचमेवा से गोद भराई की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि कार्यक्रम में आचार्य सुंदर सागर महाराज, मुनि श्रेष्ठ सागर महाराज, मुनि धैर्य सागर महाराज, मुनि सुगम सागर महाराज, मुनि श्रुतांश सागर महाराज, आर्यिका चिंतनमति माताजी, आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी सहित संघस्थ साधु-साध्वियों ने दीक्षार्थियों को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने बताया कि गोद भराई कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने पांचों दीक्षार्थियों की पंचमेवा से गोद भराई की। आगामी दिनों में पांचों दीक्षार्थियों को आचार्य विशुद्ध सागर महाराज दीक्षा प्रदान करेंगे। श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज युवा अध्यक्ष हर्षित संधी एवं मंत्री राजेश झांझरी ने बताया कि दीक्षार्थियों के सम्मान एवं मंगलकामनाओं के लिए मंदिर प्रांगण में सैकड़ों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मंगल गोद भराई समारोह में श्रद्धा, भक्ति एवं वैराग्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं त्रिलोक रजवास ने बताया कि सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से विधिवत मंत्रोच्चार एवं श्रद्धाभाव के साथ भैया ब्रह्मचारी अंकित जैन (प्रतापगढ़), अनिकेत जैन (मुंबई), यश जैन (भिंड), प्रसन्न जैन (महाराष्ट्र) एवं वकील चंद (बड़ौद) की गोद भराई की गई। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने दीक्षार्थियों के प्रति अपनी मंगलकामनाएं एवं श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके आध्यात्मिक जीवन की मंगल यात्रा की कामना की। इस अवसर पर आचार्य सुंदर सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य को अपने भीतर छिपे राग-द्वेष, मोह एवं कषाय को पहचानना होगा। इन विकारों से ऊपर उठकर ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज चौरासी के संरक्षक हुकमचंद पारसमल, संजय जैन प्रेस, ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र चंवरिया, गोपाल लाल, शंभु कठमाणा, राजेंद्र बगड़ी, दिलीप बगड़ी, विमल झिलाय, सुशील नीरा जैन, अशोक सिरस, विष्णु बोहरा, सूरजमल नवरत्न टोंग्या, महेंद्र सारसोप, सुंदर युवा मंच के अध्यक्ष महेश मोठूका, सुनील बनेठा, रोनक बोहरा, राहुल बोहरा, संयम रजवास, प्रिंस छाबड़ा, चिराग टोंग्या, शशी सोगानी, सुनीता जैन, अनिता छाबड़ा, मंजू जैन, अर्चना टोंग्या, हेमा जैन, अनिल पराणा, विमल सोगानी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन मौजूद रहे।

जैन संस्कृत महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह का हुआ समापन

विद्यार्थियों ने धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक लिया भाग

मुरैना। (मनोज जैन नायक) नगर के 125 वर्ष पुराने श्री गोपाल दिगंबर जैन सिद्धांत संस्कृत महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल के तत्वावधान में आयोजित संस्कृत सप्ताह-2026 के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रौढ़ शिक्षा जिला अधिकारी भूपेंद्र सिंह घुरैया एवं जिला संस्कृत प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. नंदराम शर्मा ने विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के महत्व से अवगत कराया। वक्ताओं ने कहा कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान, संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपरा की आधारभूत भाषा है। वेद, शास्त्र, पुराण, उपनिषद एवं भारतीय दर्शन को गहराई से समझने के लिए संस्कृत का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। संस्कृत की वैज्ञानिक संरचना इसे आधुनिक समय में भी महत्वपूर्ण बनाती है। महाविद्यालय के प्राचार्य पं. चक्रेश जैन शास्त्री ने बताया कि संस्कृत सप्ताह के प्रथम दिवस तिलक लगाकर संस्कृत दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। द्वितीय दिवस दिनाचरण एवं संस्कृत गीत प्रतियोगिता, तृतीय दिवस सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक विषयों पर संस्कृत में व्याख्यान आयोजित किए गए। चतुर्थ दिवस श्रावणी उपाकर्म, वेद पूजन एवं वेद पाठ हुआ।

किड्स केसल प्ले एंड प्राइमरी स्कूल में मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

मनमोहक झांकियों में नन्हे-मुन्नों ने निभाया राधा-कृष्ण का रूप

✍ आजाद शेरवानी

कोटा। अटवाल नगर स्थित किड्स केसल प्ले एंड प्राइमरी स्कूल में कृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य एवं रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को सुंदर एवं आकर्षक झांकियों से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में प्ले ग्रुप से लेकर प्राइमरी कक्षाओं तक के सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चे भगवान श्रीकृष्ण, राधा, ग्वालों एवं गोपियों की मनमोहक वेशभूषा में बेहद आकर्षक लग रहे थे। बच्चों ने ''नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की'' के जयकारों से पूरे परिसर को गुंजायमान कर दिया। वहीं, छोटे बच्चों ने 'छोटी-छोटी गैया, छोटे-छोटे ग्वाल' गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती डी.के. नरूला ने बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में कंस के कारागार में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ और उन्होंने अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना की। इसके बाद बच्चों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी और सभी ने मिलकर भगवान श्रीकृष्ण की महाआरती की। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को प्रसाद वितरित किया गया।

महावीर इंटरनेशनल ने "सुकून की छांव" के तहत वितरित की छतरियां

कृष्ण जन्माष्टमी पर सेवा कार्य, जरूरतमंदों को धूप और बारिश से बचाव का सहारा

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

''सबकी सेवा, सबको प्यार–जीवो और जीने दो'' तथा ''दोस्ती से सेवा'' के उद्देश्य को लेकर कार्यरत महावीर इंटरनेशनल, कुचामन परिवार की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर विभिन्न सेवा कार्य किए गए। इस अवसर पर हिराणी गौशाला में सुदर्शन जी महाराज के सान्निध्य में गौसेवा की गई। साथ ही, जरूरतमंद लोगों को तेज धूप एवं बारिश से बचाव के लिए संस्था के 'सुकून की छांव' सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत चार बड़ी छतरियों का वितरण किया गया। सांवरिया सेठ मंदिर, आसपुरा में माला एवं प्रसाद विक्रेता सुरेंद्र पुत्र पूर्णमल को एक बड़ी छतरी प्रदान की गई। इसके बाद सब्जी मंडी में मदनी धर्मपत्नी रामचंद्र, पुराने बस स्टैंड स्थित अन्नपूर्णा रसोई के पास जूता पॉलिश का कार्य करने वाले छोटूलाल पुत्र दीपाराम तथा अंबेडकर सर्किल पर फल विक्रेता रतनलाल पुत्र मोडूराम को एक-एक छतरी वितरित की गई। इस अवसर पर श्री कृष्ण गौधाम गौशाला सेवा समिति, आसपुरा के अध्यक्ष गोपाल शर्मा, सचिव श्रवण रणवा, गौशाला संचालक चैनसुख गुर्जर, कोषाध्यक्ष मांगीलाल मारवाल तथा सदस्य गणपत खीचड़, गोवर्धन मारवाल एवं नानक कुमावत सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। छतरी वितरण कार्यक्रम में जैन समाज के लालचंद पहाड़िया, संस्था अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, सचिव वीर अजीत पहाड़िया, कोषाध्यक्ष वीर सुरेश जैन, वीर सुरेंद्र सिंह दीपपुरा, वीर संपत बगड़िया, वीर संदीप पांड्या, वीर रतनलाल मेघवाल, वीर तेजकुमार बड़जात्या, वीर नंदकिशोर बिडसर, वीर अशोक अजमेरा, वीर आनंद सेठी एवं वीर पारस पहाड़िया ने सहयोग प्रदान किया। सेवा कार्य में सभी कार्यकर्ताओं के सराहनीय सहयोग के लिए अजमेर जोन सचिव वीर कैलाश पांड्या एवं कोऑर्डिनेटर वीर सुभाष पहाड़िया ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। **-वीर सुभाष पहाड़िया**

तीर्थंकर पद्मप्रभु भगवान का महामस्तकाभिषेक किया

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। बापूनगर स्थित श्री पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में अष्टमी के पावन अवसर पर बड़े बाबा मूलनायक श्री पद्मप्रभु भगवान का महामस्तकाभिषेक किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि प्रातः मूलनायक श्री पद्मप्रभु भगवान सहित सभी प्रतिमाओं का श्रावक-श्राविकाओं द्वारा बारी-बारी से महामस्तकाभिषेक किया गया। इसके उपरांत चांदमल जैन एवं प्रकाश पाटनी ने पद्मप्रभु भगवान, राकेश बघेरवाल ने आदिनाथ भगवान तथा लक्ष्मीकांत जैन ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की। अन्य प्रतिमाओं पर भी शांतिधारा की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान को अर्घ्य समर्पित किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धमार्लु श्रद्धालु उपस्थित रहे। प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि सायंकाल 7 बजे मंदिर में 48 दीपों से भक्तामर स्तोत्र की महाआरती की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

लायनेस क्लब जयपुर में एवं मेट्रो मास हॉस्पिटल के सौजन्य से हेल्थ अवेयरनेस एवं जांच शिविर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देकर किया जागरूक

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायनेस क्लब जयपुर में एवं मेट्रो मास हॉस्पिटल, मानसरोवर के संयुक्त सौजन्य से हेल्थ अवेयरनेस एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन गुरुवार, 3 सितंबर 2026 को मेट्रो मास हॉस्पिटल, मानसरोवर में किया गया। क्लब की ली. अध्यक्ष विमला शर्मा एवं कन्वीनर ली. रतन सोगानी ने बताया कि लायनेस क्लब के सेवा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। इस दौरान डॉ. नीतू राजवंशी (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. राजेश रंजन (हड्डी रोग विशेषज्ञ) एवं डॉ. कुणाल जैन (कैंसर विशेषज्ञ) ने अपने-अपने विशेषज्ञता क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। चिकित्सकों ने सदस्यों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी स्वास्थ्य संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान किया। डॉ. संदीप माथुर द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं स्वास्थ्य संबंधी वार्ता का संचालन किया गया। कार्यक्रम में प्रांत की पूर्व अध्यक्ष ली. महादेवी आर्य, ली. ऊषा भंडारी, ली. स्वग्रही माओ, उपाध्यक्ष ली. शकुंतला विजयवर्गीय, सेवा सप्ताह की मेंटर ली. मंजू मित्तल, ली. शिल्पम जोशी, ली. सुमन शर्मा, ली. ऊषा साबू, ली. सुशीला छाबड़ा, ली. शशि से सहित प्रांत के संबंधित क्लबों के पदाधिकारी एवं सदस्य गौरवमयी उपस्थिति में मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित क्लब सदस्यों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रोचक एवं सरल तरीके से दी गई स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की सराहना की। उन्होंने शिविर को उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताते हुए आयोजन की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में पूर्व प्रांत अध्यक्षा ली. महादेवी आर्य एवं ली. रतन सोगानी ने सभी चिकित्सकों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सन्मति ग्रुप द्वारा जैन रत्न प्रदीप कासलीवाल की छठवीं पुण्यतिथि पर होगा "समाजसेवी गुरु एवं छात्र सम्मान समारोह"

शिक्षक दिवस पर देशभर में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप मनाएंगे पुण्यतिथि

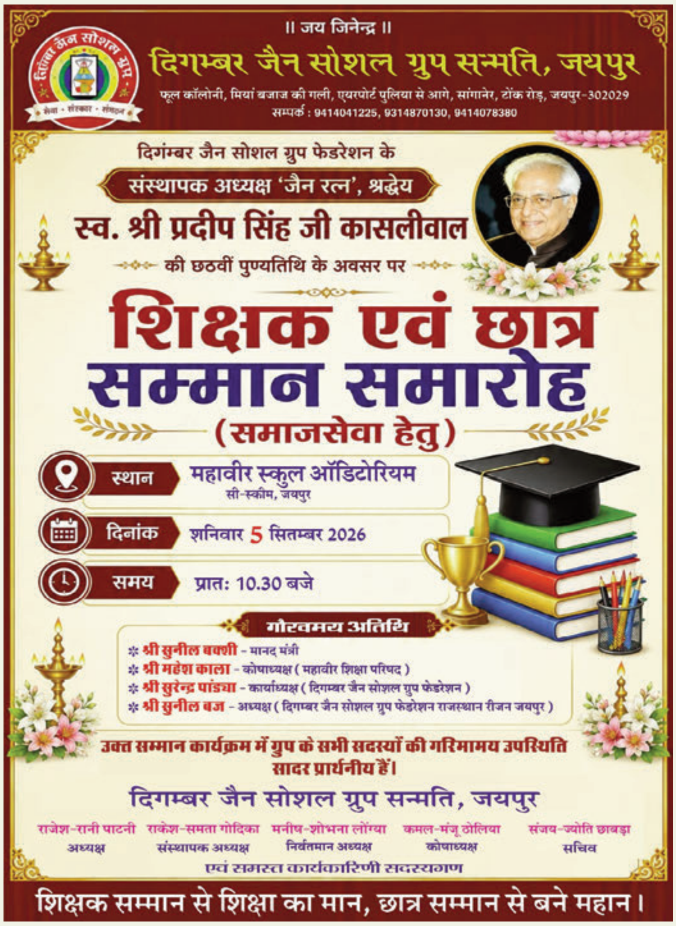

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष, जैन रत्न एवं समाज गौरव स्मृतिशेष श्रद्धेय श्री प्रदीपकुमार सिंह कासलीवाल की छठवीं पुण्यतिथि एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विशेष आयोजन किया जा रहा है। सन्मति ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदीका ने बताया कि फेडरेशन के तत्वावधान में देशभर के सभी सोशल ग्रुपों द्वारा 5 सितंबर 2026, शनिवार को ''समाजसेवी गुरु एवं छात्र सम्मान'' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राजस्थान रीजन के तत्वावधान में मुख्य आयोजन प्रातः 10:30 बजे श्री महावीर दिगंबर जैन सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल के ऑडिटोरियम में होगा। ग्रुप अध्यक्ष राजेश पाटनी ने बताया कि इस अवसर पर ग्रुप द्वारा समाजसेवा में समर्पित ऐसे एक शिक्षक का सम्मान किया जाएगा, जो शिक्षण कार्य के साथ-साथ समाजसेवा में भी निष्ठा एवं समर्पण रखते हों। साथ ही, उसी विद्यालय के विद्यार्थियों में से समाजसेवा के प्रति रुचि रखने वाले एवं सक्रिय एक विद्यार्थी का भी सम्मान किया जाएगा। दोनों प्रतिभाओं को मेडल एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर फेडरेशन के 'भीष्म पितामह' स्व. कासलीवाल जी के उच्च आदर्शों एवं स्वभावगत विशेषताओं को समाज में चिरस्थायी बनाने का संकल्प लिया जाएगा। स्व. कासलीवाल सभी के लिए प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक रहे तथा मानवसेवा और समाजसेवा के लिए सदैव प्रोत्साहित करते रहे। समारोह में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पांड्या, राजस्थान रीजन के अध्यक्ष सुनील बज, महावीर शिक्षा परिषद के मानद मंत्री सुनील बक्षी एवं कोषाध्यक्ष महेश काला गौरवमय अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर समारोह की शोभा बढ़ाएंगे।

धर्मपूर्वक तप करने से आत्मा से कर्मों का मैल दूर होकर आत्मा निर्मल होती है : आचार्य वर्धमान सागर जी

तप से कर्मों का संवर और निर्जरा होती है

ग्वालियर. शाबाश इंडिया

अनादि काल से संसार में परिभ्रमण करते हुए जीव जन्म-मरण के चक्र में फंसा हुआ है। राग, द्वेष और मोह के कारण आत्मा में कर्म रूपी कचरा एकत्रित हो गया है, जिसके कारण आत्मा कर्मों से मलिन हो गई है। जिस प्रकार खदान से निकले स्वर्ण को अग्नि में तपाकर शुद्ध किया जाता है और कच्चे खाद्य पदार्थों को अग्नि के माध्यम से खाने योग्य बनाया जाता है, उसी प्रकार मन, वचन और काय की शुद्धि के साथ सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चरित्र धर्म के अनुसार तप करने से आत्मा भी शुद्धता को प्राप्त होती है। आत्मा से कर्मों के निकलने एवं नष्ट होने के बाद ही मोक्ष की प्राप्ति होती है। कर्मों के उदय में आने के कारण ही जीव को कष्ट और दुःख भोगना पड़ता है। यह मंगल देशना 16 कारण भावना में "शक्तितस्तप भावना" के अवसर पर आचार्य धर्मसागर सभागृह में प्रातःकालीन उपदेश के दौरान राजकीय अतिथि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने प्रदान की। डॉ. राजेश पंचोलिया ने बताया कि आचार्यश्री ने आगे कहा कि तप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार करना चाहिए। तप साधु-साध्वी तथा श्रावक-श्राविकाएं सभी कर सकते हैं। जैन धर्म में 12 प्रकार के तप बताए गए हैं, जिनमें छह बाह्य तप और छह अंतरंग तप होते हैं। बाह्य तप में अनशन, ऊनोदरी, वृत्ति-परिसंख्यान, रस-परित्याग, विविक्त-शय्यासन एवं कायक्लेश शामिल हैं। आचार्यश्री ने कहा कि अनशन में चारों प्रकार के आहार का त्याग किया जाता है। आवश्यकता से कम आहार लेना ऊनोदरी तप है। वृत्ति-परिसंख्यान में आहार ग्रहण करने के लिए निर्धारित नियमों का पालन किया जाता है। तप में अनशन एवं स्वाध्याय का विशेष महत्व है। आचार्यश्री ने प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने ग्वालियर में कड़ाके की ठंड के जनवरी माह में गीले वस्त्र से पड़गाहन की विधि ली, जो पुण्य के प्रभाव से पूर्ण हुई। उन्होंने विष्णुकुमार मुनि का उदाहरण देते हुए बताया कि तप के प्रभाव से उन्हें विक्रिया ऋद्धि प्राप्त हुई थी। तप के माध्यम से कर्मों का संवर एवं निर्जरा होती है।

आर्यिका विलोकमति माताजी ने बताए तप के प्रकार

आचार्यश्री के उपदेश से पूर्व आर्यिका श्री विलोकमति माताजी ने सभी 12 प्रकार के तप की उदाहरण सहित विवेचना की। उन्होंने बताया कि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने तरंग, अनिंदा, पारसनाथ सहित अन्य नगरों में विधि नहीं मिलने पर उपवास किया। उन्होंने बताया कि प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने अपने जीवन में लगभग 10,000 उपवास किए। ललितपुर में उन्होंने कठिन सिंहनिष्क्रीड़ित व्रत किया, जिसमें बढ़ते क्रम से एक से 15 उपवास किए गए, इसके बाद पारणा हुआ। पुनः 15 उपवास तथा फिर घटते क्रम से अगले 14 दिनों तक उपवास किए गए। इस प्रकार छह माह की साधना में चार माह उपवास किया। अंत में उन्होंने 36 दिन की सल्लेखना ग्रहण की। उन्होंने कहा कि तप केवल शरीर को कष्ट देने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि का साधन है। तप के माध्यम से कर्मों का क्षय एवं निर्जरा होती है और आत्मा मोक्ष के मार्ग की ओर अग्रसर होती है।

उपमा सारस्वत बनीं ह्यूमन ग्लोरी वुमेन्स क्लब की उपाध्यक्षा

महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवा के कार्यों को मिलेगा नया आयाम

जयपुर. शाबाश इंडिया। ह्यूमन ग्लोरी वुमेन्स क्लब के संगठनात्मक विस्तार एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उपमा सारस्वत को क्लब की उपाध्यक्षा (वाइस प्रेसिडेंट) नियुक्त किया गया है। क्लब की अध्यक्ष मनीषा जैन 'कुसुम' ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन 'भंवर' ने कहा कि उपमा सारस्वत के अनुभव, सक्रियता एवं सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण से क्लब की गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उपमा सारस्वत महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों को और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। नवनियुक्त उपाध्यक्षा उपमा सारस्वत ने क्लब का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संस्था के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के साथ-साथ समाजसेवा के कार्यों में अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। क्लब की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उपमा सारस्वत का स्वागत करते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।